REPORT ON PARTICIPATION IN WORKSHOP ON CLIMATE CHANGE AND DISASTER RISK RESILIENT HIMALAYAN FUTURE
DEPARTMENT OF GEOLOGY: 05.03.3026 TO 06-03-2026

Forty students from the Department of Geology, Government College Sanjauli, participated in a two-day workshop organized by the **Himachal Pradesh Institute of Public Administration** at its Fairlawn campus in **Shimla**. The theme of the workshop was *"Climate Change and Disaster Risk Resilient Himalayan Future: Lessons, Gaps and Policy Pathways for Himachal Pradesh."*

The workshop brought together a wide range of stakeholders including administrators, scientists, researchers, disaster management experts, and students to deliberate on the disaster profile of **Himachal Pradesh** and the increasing challenges posed by climate change in the Himalayan region. Various sessions focused on understanding the causes and impacts of natural disasters such as landslides, floods, cloudbursts, and extreme weather events that frequently affect the mountainous terrain of the state. Experts also emphasized the urgent need for effective disaster risk management strategies, scientific monitoring, and policy interventions to reduce vulnerability in fragile Himalayan ecosystems.

Renowned scientists and experts from several prestigious institutions delivered insightful lectures during the workshop. Delegates from the **Geological Survey of India**, **Indian Institute of Technology Roorkee**, **CSIR-Central Building Research Institute**, **Wadia Institute of Himalayan Geology**, **Indian Institute of Technology Kharagpur**, as well as officials from the **State Disaster Response Force** and **National Disaster Response Force** presented their research and field experiences related to disaster management in the Himalayan region. The speakers highlighted various scientific aspects including landslide mechanisms, the role of aerosols in climate change, glacial retreat, increasing frequency of extreme rainfall events, and the long-term impacts of climate variability on fragile mountain ecosystems.

The Director of the **Geological Survey of India** and the **Senior Superintendent of Police (SSP) of Shimla** also addressed the participants and shed light on the recent disasters that have affected the state. They discussed the need for coordinated efforts between scientific agencies, government departments, and disaster response teams to improve preparedness, early warning systems, and community awareness.

Students from the Department of Geology actively participated in the workshop discussions and interacted enthusiastically with the experts. They asked several practical and research-oriented questions related to landslide mitigation, slope stability, disaster preparedness, and climate change adaptation in mountainous regions. Their active engagement and scientific curiosity were appreciated by the speakers, and their observations and feedback were noted by the organizers for consideration in future policy planning and research initiatives.The students were accompanied by **Dr. Laxmi Versain**, who encouraged them to interact with scientists and gain deeper insights into the environmental and geological challenges faced by Himalayan states. The workshop successfully highlighted important policy pathways and practical strategies aimed at reducing disaster risks and strengthening climate resilience in **Himachal Pradesh**.

Participation in this workshop provided the students with an excellent learning opportunity to interact with leading scientists and disaster management professionals. It enhanced their understanding of real-world disaster management practices and broadened their knowledge about climate change challenges and sustainable development in the Himalayan region.

27

Principal
Govt College Sanjauli
Shimla-6

Principal, Ms. Bharti Bhagra,
Government College Sanjauli

शिमला। अमर उजाला (08-March-2026)

सिटी एंकर

संजौली कॉलेज में वर्कशॉप; वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने बताए खतरे और उपाय

प्रदेश में बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं पर चिंता, युवाओं को भी आपदा प्रबंधन के लिए किया जा रहा तैयार

सिटीरिपोर्टर | शिमला.

प्रदेश में हर साल भूस्खलन, बादल फटने, बाढ़ और भारी बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाएं प्रदेशवासियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। जलवायु परिवर्तन के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में आपदा का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अब सरकार और शैक्षणिक संस्थान मिलकर युवाओं को आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक कर रहे हैं। आपदा की वजहें क्या रहती है और क्या उपाय कर आपदा के दौरान नुकसान को कम किया जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानों को जागरूक करने के लिए शनिवार को शिमला को संजौली कॉलेज में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। संजौली कॉलेज के भूविज्ञान विभाग के 40 छात्रों ने इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, फेयरलॉन शिमला द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का विषय "क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर रिस्क रेजिलिएंट हिमालयन फ्यूचर: लेसन्स, गैप्स एंड पॉलिसी पाथवेज फॉर हिमाचल प्रदेश" रखा गया था। प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति जताई कि हिमालयी क्षेत्रों के सतत और सुरक्षित भविष्य के लिए वैज्ञानिक शोध, नीतिगत सुधार और जनजागरूकता को साथ लेकर चलना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में बढ़ते जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न हो रहे आपदा जोखिमों को समझना तथा उनसे निपटने के लिए प्रभावी नीतिगत उपायों पर चर्चा करना था। इसमें प्रदेश के आपदा प्रोफाइल, प्राकृतिक जोखिमों और भविष्य की चुनौतियों पर एक्सपर्ट न बात की और पर्यावरण के प्रति छात्रों के विचार जाने। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति विशेषज्ञों और छात्रों ने एक मंच पर आकर अपने विचार साझा किए। विशेषज्ञों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तेजी से दिखाई दे रहे हैं। लगातार हो रहे भूस्खलन, बादल फटने की घटनाएं, अचानक बाढ़ और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी घटनाएं प्रदेश के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं।

• **युवाओं की भागीदारी सबसे अहम:** आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए समय रहते जागरुकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि स्थानीय समुदाय, प्रशासन और युवा मिलकर काम करें तो आपदा के प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यशाला में छात्रों ने जलवायु परिवर्तन, भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं, आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली और प्रबंधन रणनीतियों पर चर्चा की। विशेषज्ञों के अनुसार हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होना आवश्यक है। छात्रों के साथ विभाग की शिक्षिका डॉ. लक्ष्मी वर्सैन भी मौजूद रहीं, जिन्होंने छात्रों को इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

• **पार्षदों को भी दिया जा रहा प्रशिक्षण:** आपदा में सबसे पहले राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए शिमला शहर में पार्षदों की ट्रेनिंग भी हो रही है। एक हफ्ते की इस ट्रेनिंग में होम गार्ड के जवान पार्षदों को आपदा में तुरंत मदद पहुंचाने और प्रभावितों को मदद करने के गुर सिखा रहे हैं। पार्षदों को विभाग द्वारा आपदा में खुद की सुरक्षा के लिए एक किट भी मिलेगी।

जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन पर चर्चा

शिमला। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस संजौली कॉलेज के भूविज्ञान विभाग के 40 छात्रों ने इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, फेयरलॉवन शिमला द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का विषय 'क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर रिस्क रेजिलिएंट हिमालयन फ्यूचर लेसन्स, गैप्स एंड पॉलिसी पाथवेज फॉर हिमाचल प्रदेश' था। छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया और कई वैज्ञानिक प्रश्न पूछे। छात्रों के साथ डायटर लक्ष्मी मौजूद रहीं। कार्यशाला का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए नीतिगत मार्गों पर चर्चा करना था। इसमें विशेषज्ञों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

दिव्य हिमाचल (08-03-2026)

संजौली कॉलेज के छात्रों ने क्लाइमेट चेंज कार्यशाला में लिया भाग

शिमला। राजकीय महाविद्यालय संजौली के भूविज्ञान विभाग के 40 छात्रों ने इंस्टिट्यूट ऑफपब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, फेयरलॉवन शिमला में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर रिस्क रेजिलिएंट हिमालयन फ्यूचर लेसन्स, गैप्स एंड पॉलिसी पाथवेज फॉर हिमाचल प्रदेश रहा। कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रोफाइल और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए विभिन्न हितधारकों, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को एक मंच पर लाया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने पहाड़ी राज्यों में बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उससे निपटने के उपायों पर अपने विचार साझा किए। भूविज्ञान विभाग के छात्रों ने भी कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी निभाई और विशेषज्ञों से कई वैज्ञानिक सवाल पूछे। छात्रों द्वारा दिए गए फीडबैक को प्रशासन ने आगे की नीतिगत चर्चाओं और कार्यवाहियों के लिए संकलित किया। हिमाचल दस्तक

दैनिक जागरण 08 March-26

सार संक्षेप

आपदा जोखिम से जुड़े पहलुओं पर चर्चा

संजौली कालेज में आयोजित कार्यशाला के दौरान उपस्थित प्रतिभागी • जागरण

शिमला : संजौली कालेज के भूविज्ञान विभाग के 40 विद्यार्थियों ने इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन फेयरलान शिमला में दो दिवसीय कार्यशाला मे भाग लिया। कार्यशाला का विषय क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर रिस्क रेजिलिएंट हिमालयन फ्यूचर लेसन्स गैप्स एंड पालिसी पाथवेज फार हिमाचल प्रदेश था। कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों, प्रशासकों, विज्ञानियों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक मंच पर लाया गया। जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने चर्चा कर विचार साझा किए। भूविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से कई प्रश्न पूछे। इस दौरान भूविज्ञान विभाग की डा. लक्ष्मी भी मौजूद रहीं। विशेषज्ञों ने बताया कि हिमाचल में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए ठोस रणनीतियों और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। (जासंके)

Vulnerability Dimensions
Rapid urbanization in hill towns
Tourism pressure
Fragile geology
River valley hydropower concentration
Road cutting & infrastructure expansion

Two-Day State Level Workshop
on
Climate Change and Disaster Risk Resilient Himalayan Future: Lessons, Gaps, and Policy Pathways for Himachal Pradesh
Chief Guest: Sh. Jagat Singh Negi
Hon'ble Revenue, Horticulture, Tribal Development & RPG Minister, Himachal Pradesh
Organized by
Dr. Manmohan Singh HP Institute of Public Administration (MSHIPA)
Fairlawns, Shimla-12
In Association with
Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)

STUDENTS OF DEPTT. OF GEOLGY NOMINATED FOR WORKSHOP"

"CLIMATIC CHANGES, DISASTER RISK AND RESILIENT HIMLAYAN FUTURES: LESSONS, GAPS, PATHWAYS FOR HIMACHAL PRADESH"

FROM 6TH-TH MARCH,2026 AT MSHIPA, SHIMLA.

S.NO	NAME	ROLL NO.	CLASS	SIGNATURES
1	SHIVANSHI	2241730195	B.Sc 2nd	Shivanshi
2	ROHINI	2241730167	B.Sc 2nd	
3	AYUSH SATHAIK	2241730050	— do —	
4	ARSHIT	2241730038	do	Arshit
5	SAHIL RANA	2241730178	do	
6	PTRAJWAL SHARMA	2241730152	do	
7	JAGRITI SHARMA	25402020	B.Sc 1st	
8	MANYA	25402002	B.Sc 1st	
9	RIA VERMA	25452001	B.Sc 1st	
10	TAZUL	2241730217	B.Sc 2nd	
11	SUPARNA	2241730209	— do —	
12	LAVISH THAKUR	2241730117	do	Lavish
13	ARYAVEER	2241730044	do	Aryaveer
14	ASHWIN SHARMA	2241734600	do	Ashwin
15	BHAWNA THAKUR	25452003	B.Sc 1st	Bhawna
16	NITIN THAKUR	25452004	— do —	Nitin Thakur
17	KSHITIZ SURYAVANSHI	25452015	— do —	Kshitiz
18	ADITYA KAPOOR	25452020	— do —	Aditya
19	SAHIL	25452018	B.Sc 1st	
20	NIKHIL JAIN	24452014	B.Sc 2nd	
21	GAURAV SHARMA	2441730075	B.Sc 2nd	Gaurav
22	Muskan	2231730100	Bsc. 3rd.	Muskan
23	Shetal	2241730193	B.Sc 2nd	
24	Aditi	2241730012	B.Sc 2nd	
25	Kashish	2231730076	B.Sc 3rd	
26	Nihalika	2231730009	B.Sc 3rd	
27	Vanshika			
28	Pankaj Nilu	2231730123	"	
29	K. Arindam	2231730073	"	
30	Rohit	2231730154	"	

8/3/2026

INCHARGE
DR.LAXMI VERSAIN (A.P)
DEPTT. OF GEOLGY,GDC SANJAULI.

Accredited with Grade A+ by NAAC
Centre of Excellence
GOVT. COLLEGE, SANJAULI, SHIMLA –6, H. P.
WEB SITE: www.gcsanjauli.edu.in E-Mail Address:principalsanjauli@gmail.com
FAX/ Tel. No: 0177-2640332

No. EDN-COE-GCS-SML-Relieving Order Dated: 5th March, 2026

OFFICE ORDER

In Compliance to the Director of Higher Education Office letter No. EDN-H(3)B(15)45/2025, dated 3rd March, 2026, Dr. Laxmi Versian, Assistant Professor Geology of this college is deputed to participate in Two Days Workshop on "Climate Change, Disaster Risk and Resilient Himalayan Future: Lessons, Gaps and Pathways for Himachal Pradesh" scheduled on 6-7th march, 2026 at MSHIPA, Shimla. She is hereby relieved from her duties today i.e., 5th March, 2026 (AN).

Principal
Centre of Excellence
GC Sanjauli, Shimla-6

Endst. No. Even. Dated, Shimla-6, the 5th March, 2026
Copy to information please:-

1. The Director of Higher Education, HP, Shimla-1
2. The Director, MSHIPA, Shimla, HP.
3. Concerned individual.

Principal
Centre of Excellence
GC Sanjauli, Shimla-6

No. MSHIPA (DMC-Trg.) C-12/2025 (Misc.) (Urgent)
Government of Himachal Pradesh
Dr. Manmohan Singh H.P. Institute of Public Administration (MSHIPA)
Fairlawns, Shimla-171012

From
The Director
Dr. Manmohan Singh H.P. Institute of Public Administration (MSHIPA)

To
The Principal,
Centre of Excellence,
Govt. College Sanjauli, Shimla-6

Dated: Fairlawns, Shimla-12, the 05th March, 2026

Subject: **Regarding nomination for workshop on "Climate Change, Disaster Risk and Resilient Himalayan Futures: Lessons, Gaps and Pathways for Himachal Pradesh" w.e.f 6th-7th March, 2026 at MSHIPA, Shimla.**

Madam,

The Dr. Manmohan Singh Himachal Pradesh Institute of Public Administration (MSHIPA), in collaboration with the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA), is organizing a two-day State Level Workshop on **"Climate Change, Disaster Risk and Resilient Himalayan Futures: Lessons, Gaps and Pathways for Himachal Pradesh" w.e.f. 06th–07th March, 2026 at MSHIPA, Shimla.**

The workshop aims to deliberate upon the emerging challenges posed by climate change in the Himalayan region, identify critical disaster risk reduction gaps, and chart actionable pathways for strengthening resilience in Himachal Pradesh. Senior officers from various Departments, District Administration, Technical Institutions, and Disaster Management Agencies shall be participating in the said workshop.

In this regard, you are kindly requested to nominate a group of Geography/Geology students along with one faculty member from your esteemed institution to participate in the above-mentioned workshop. The participation of students will provide them with valuable exposure to contemporary issues related to climate change, disaster risk reduction, and sustainable development in the Himalayan region.

The boarding and lodging arrangements for the participants will be made by this Institute. However, travel expenses shall be borne by the nominating institution.

For any assistance or further information, you may kindly contact Dr. Khyal Chand, Course Director (DMC), MSHIPA at Ph. No. 88949-30726. The Concept Note and detailed schedule of the workshop shall be shared separately.

Yours Faithfully,

(Dr. Khyal Chand)
Course Director (DMC),
MSHIPA
(Dr. Manmohan Singh HP Institute of Public Administration, Fairlawns, Shimla-171012.)
Ph. No.0177-2734666